UNIVERSITY NEWS 22 SEPTEMBER 2026

AMAR UJALA

शोधार्थियों के लिए पहला मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स लॉन्च

माई सिटी रिपोर्टर

आठ सप्ताह का होगा पाठ्यक्रम मिलेंगे दो क्रेडिट, साहित्यिक चोरी से बचने के उपाय भी बताए जाएंगे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्री-पीएचडी कोर्स वर्क कर रहे शोधार्थियों के लिए अपना पहला मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) तैयार किया है। यह पाठ्यक्रम शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जिम्मेदार इस्तेमाल, शोध नैतिकता और साहित्यिक चोरी से बचाव पर केंद्रित है। इसका नाम 'एथिक्स फर्स्ट : एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड रिस्पॉन्सिबल पब्लिशिंग' रखा गया है। यह आठ सप्ताह का पाठ्यक्रम है। इसे पूरा करने पर शोधार्थियों को दो क्रेडिट दिए जाएंगे।

लविवि की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इस पाठ्यक्रम में कुल 16 मॉड्यूल शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य शोधार्थियों को अकादमिक ईमानदारी और शोध सत्यनिष्ठा के मानकों से परिचित कराना है। इसमें डाटा संग्रह, विश्लेषण और रिपोर्टिंग में नैतिक मानकों का पालन सिखाया जाएगा। शोध पत्र और थीसिस लिखते समय अनजाने में होने वाली साहित्यिक चोरी से बचने के तकनीकी उपाय भी बताए जाएंगे। एमओओसी में उत्तरदायी प्रकाशन पर विशेष जोर दिया गया है। शोधार्थियों को यूजीसी-केयर, स्कोपस और वेब ऑफ साइंस जैसे शोध प्रकाशन मंचों के मानकों की जानकारी मिलेगी। स्कोपस शोध पत्रिकाओं व शोध लेखों का एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय डाटाबेस और इंडेक्सिंग प्लेटफॉर्म है।

पाठ्यक्रम की विशेषताएं और भविष्य की योजनाएं

यह पाठ्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में तैयार किया गया है। वीडियो व्याख्यान, अध्ययन सामग्री और प्रश्नोत्तरी भी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होंगे। इससे शोधार्थी अपनी सुविधा के अनुसार पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक अपने-अपने विषयों पर भी एमओओसी विकसित कर रहे हैं। इन्हें आने वाले चरणों में लॉन्च किया जाएगा, जिससे डिजिटल शिक्षा का विस्तार होगा।

NBT

पीएचडी का कोर्स वर्क LU में ऑनलाइन होगा

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) में अब प्री-पीएचडी कोर्सवर्क कर रहे शोधार्थी ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शोधार्थियों के लिए अपना पहला इन-हाउस विकसित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOC) तैयार किया है। आठ सप्ताह की अवधि वाले इस पाठ्यक्रम में 16 मॉड्यूल शामिल हैं और इसके लिए 2 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं।

इस कोर्स के जरिए शोधार्थियों को शोध सत्यनिष्ठा, अकादमिक ईमानदारी, साहित्यिक चोरी (प्लेजियरिज्म) रोकने और रिसर्च में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) के जिम्मेदार उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कोर्स हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किया गया है, जिसमें दोनों माध्यमों के विडियो लेक्चर व क्विज शामिल हैं। विवि के विभिन्न विभागों के शिक्षक भी अपने विषयों में मूक कोर्स तैयार कर रहे हैं। भविष्य में ऐसे अन्य पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे, जिसका लाभ विवि और कॉलेजों के छात्रों को मिलेगा।

AMRIT VICHAR

लविवि में शोधार्थियों के लिए मूक्स तैयार

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल शिक्षा और उच्चस्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मूक्स कोर्स तैयार किया गया है। प्रीपीएचडी कोर्स वर्क कर रहे शोधार्थियों के लिए पहला इनहाउस विकसित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स लांच किया गया है। यह एथिक्स फर्स्ट एक्सिलेंस इन रिसर्च एंड रिस्पांसिबिलिटी पब्लिसिंग शीर्षक से 8 सप्ताह और 2 क्रेडिट का पाठ्यक्रम शुरु किया जा रहा है। शोध नैतिकता, साहित्यिक चोरी की रोकथाम और एआई के जिम्मेदार उपयोग पर केंद्रित यह ऑनलाइन पाठ्यक्रम है। भाषाई सुगमता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम हिंदी व अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध कराया जाएगा।

HINDUSTAN

एलयूः कॉपीराइट से बचाने को तैयार किया पाठ्यक्रम

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोधार्थियों को कॉपी राइट से बचाने और एआई के इस्तेमाल में जरूरी सतर्कता बरतने के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार किया है। यह पूरी तरह स्वनिर्मित है। इससे पीएचडी कर रहे छात्रों को बड़ी सहूलियत मिल सकेगी।

- कोर्स में कुल 16 इकाइयां और दो श्रेयांक होंगे
- आंकड़ों के संग्रह के साथ विश्लेषण पर होगा जोर

'शोध नैतिकता : उत्कृष्टता और उत्तरदायी प्रकाशन' नामक पाठ्यक्रम आठ सप्ताह का होगा। इसमें कुल 16 इकाइयां और दो श्रेयांक होंगे। इसमें शोध की सत्यनिष्ठा, अकादमिक ईमानदारी, साहित्यिक चोरी की रोक, प्रकाशन नैतिकता तथा अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग की जानकारी दी जाएगी। आंकड़ों के संग्रह, विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण में नैतिक मानकों के पालन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

HINDUSTAN

खगोलीय फोटोग्राफी की दी पूरी जानकारी

लखनऊ। इंदिरा गांधी नक्षत्रशाला और लखनऊ विश्वविद्यालय के खगोलीय विभाग ने मिलकर खगोलीय फोटोग्राफी का खगोल प्रेमियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया। दोनों संस्थानों ने मिलकर बेसिक एस्ट्रोफोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया।

इंदिरागांधी नक्षत्रशाला में कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को खगोलीय फोटोग्राफी से लेकर उन्नत इमेज प्रोसेसिंग तक का व्यावहारिक एवं हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रदान करना था। प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार की दूरबीनों की संरचना, टेलीस्कोप माउंटिंग एवं हैंडलिंग के बारे में बताया।

एलयू में छात्रावास के लिए पांच शिक्षक तय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रावासों की व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पांच शिक्षकों को नई नियुक्तियां की हैं। कुलसचिव डॉ.भावना मिश्रा की ओर से जारी आदेश के तहत एक प्रोवोस्ट और चार असिस्टेंट प्रोवोस्ट नियुक्त किए गए हैं।

सभा जगन्नाथ विभाग के प्रो. जय शंकर पांडेय को सुभाष हॉल का प्रोवोस्ट बनाया गया है। वहीं राजनीतिक विज्ञान विभाग के डॉ. अमित कुजवाहा को सुभाष हॉल और डॉ. जितेंद्र कुमार को हजीकुल्लाह हॉल का असिस्टेंट प्रोवोस्ट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा संस्कृत विभाग के डॉ. शोभा राम दुबे को आचार्य नरेंद्र देव हॉल और ओरिएंटेड संस्कृत विभाग के डॉ. सतीश चंद्र को महमूदाबाद हॉल का असिस्टेंट प्रोवोस्ट बनाया गया है।

यूजीसी-नेट में सफल विद्यार्थी सम्मानित किए गए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. श्रवण कुमार तथा संकाय सदस्यों ने सम्मानित किया। परीक्षा में विभाग के 5 विद्यार्थियों ने जेआरएफ तथा 35 विद्यार्थियों ने यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में आकांक्षा रावत, कुंवर शरद यादव, अभिषेक शर्मा, सलोनी पटेल, शिवानी शर्मा, प्रज्ञा शुक्ला, संस्कृति केसरी, प्रेमिता आदि शामिल रहे।

AMAR UJALA

यूजीसी-नेट में सफल विद्यार्थियों का सम्मान

लखनऊ। लविवि के शिक्षा विभाग में यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को सोमवार को सम्मानित किया गया। विभाग के पांच विद्यार्थियों ने जेआरएफ और 35 विद्यार्थियों ने यूजीसी-नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। विभागाध्यक्ष और डीन श्रवण कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष दिनेश कुमार ने उन्हें बधाई दी। संचालन सहायक आचार्य पूनम श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर किरण लता डंगवाल, आकांक्षा सिंह, नीतू सिंह, बीना इंद्राणी, सुमित गंगवार और शोधार्थी अभिषेक श्रीवास्तव समेत आकांक्षा रावत, कुंवर शरद यादव, अभिषेक शर्मा व अन्य सफल विद्यार्थी मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR

सम्मानित किए गए नेट यूजीसी परीक्षा में सफल छात्र।

नेट में सफल विद्यार्थियों का सम्मान

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में यूजीसी नेट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विभाग के पांच विद्यार्थियों ने जेआरएफ और 35 ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. श्रवण कुमार और संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए निरंतर मेहनत और उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संचालन सहायक आचार्य डॉ. पूनम श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान प्रो. किरण लता डंगवाल, प्रो. आकांक्षा सिंह, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. बीना इंद्राणी मौजूद रहे।

TIMES OF INDIA

LU students decode astrophotography

TIMES NEWS NETWORK

WINDOW TO THE UNIVERSE

Lucknow: A faint point of light seen through a telescope can be turned into a sharp photograph of a planet or distant object through careful camera settings, multiple exposures and digital processing, students learnt during a practical astrophotography training held on Monday.

Seventeen astronomy students from Lucknow University took part in hands-on sessions at the university's Astronomy Lab and Indira Gandhi Planetarium, where they photographed Moon and Jupiter and processed their own images.

Scientific officer Sumit Srivastava said the training went beyond basic observation and focused on operating different telescopes and mounts, connecting DSLR cameras with T-ring adapters and adjusting ISO, aperture, exposure time and focus for night-sky imaging.

A key method taught was image stacking, in which several frames are combined to enhance detail and reduce noise. LU student Utkarsh said participants worked with multiple frame types, including light, dark, flat and bias frames, to improve the final output.

LU Prof Alka Mishra said the practical sessions enabled participants to process images captured during the programme and produce final astronomical photographs, offering insight into how amateur astronomers create detailed pictures of celestial objects.

HINDUSTAN TIMES

LU launches its first MOOC for PhD scholars on research ethics

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : In a first, Lucknow University has developed its own fully in-house Massive Open Online Course (MOOC) for Pre-PhD course work scholars.

The 8-week, 16-module, 2-credit course, 'Ethics First: Excellence in Research and Responsible Publishing,' will focus on research integrity, academic honesty, plagiarism prevention, publication ethics, and the responsible use of AI tools in research.

The course will be available in both Hindi and English.

Vice-chancellor prof JP Saini said the course aims to train researchers in the highest ethical standards for data collection, analysis and reporting.

"It will also familiarise scholars with the authentic process of publishing in reputed global journals like UGC-CARE, Scopus and Web of Science.

In today's digital and AI-driven era, maintaining originality, purity and ethical values alongside research quality is the biggest need.

This first fully developed MOOC will connect young researchers with values of academic integrity, quality and responsibility from the initial stage," said Saini.

The university added that this is a landmark step towards expansion of digital education and in line with NEP 2020. "Teachers from various departments are also developing quality MOOCs in their subjects which will be launched in coming phases, creating a rich series of digital courses by subject experts for campus and affiliated college students," Saini added.

SWATANTRA BHARAT

शोधार्थियों के लिए लविवि का पहला ऑनलाइन पाठ्यक्रम

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्री-पीएचडी शोधार्थियों के लिए अपना पहला पूर्णतः विश्वविद्यालय स्तर पर विकसित ऑनलाइन पाठ्यक्रम तैयार किया है। 'शोध नैतिकता और जिम्मेदार प्रकाशन से उत्कृष्ट शोध' नामक यह पाठ्यक्रम आठ सप्ताह का होगा। इसमें 16 मॉड्यूल और दो क्रेडिट होंगे। पाठ्यक्रम का उद्देश्य शोधार्थियों में शोध की सत्यनिष्ठा, अकादमिक ईमानदारी, साहित्यिक चोरी से बचाव, प्रकाशन नैतिकता तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग की समझ विकसित करना है। पाठ्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध होगा। पाठ्यक्रम में शोध के दौरान आंकड़ों के संग्रह, विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण में नैतिक मानकों के पालन, साहित्यिक चोरी से बचने के तकनीकी एवं व्यावहारिक उपाय तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वैध और जिम्मेदार इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन से जुड़े मानकों और प्रक्रियाओं से भी शोधार्थियों को अवगत कराया जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसार, यह पहल डिजिटल शिक्षा और उच्चस्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक भी अपने-अपने विषयों पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। इससे विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों की व्यापक श्रृंखला तैयार होगी।